अमर उजाला
बरेली
सोमवार, 5 फरवरी 2018
amarujala.com

PAGE NO. 8 : MIDDLE TOP

मातृ-शिशु मृत्यु दर कम करने पर मंथन

एसआरएमएस में आयोजित सीएमई में जुटे नामी डॉक्टर

अमर उजाला ब्यूरो

बरेली।

श्री राममूर्ति स्मारक इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज में रविवार को स्त्री एवं प्रसूति रोग विभाग की ओर से 'मातृ भ्रूण चिकित्सा' विषय पर सीएमई का आयोजन किया गया। इसमें देश के विभिन्न मेडिकल कॉलेजों के नामी डॉक्टर जुटे। सभी ने मातृशिशु मृत्यु दर कम करने के उपायों पर मंथन किया। चिकित्सकों ने प्रसव से पूर्व एवं बाद में सामने आने वाली समस्याओं से निपटने पर भी चर्चा की।

उद्घाटन एसआरएमएस ट्रस्ट के चेयरमैन देव मूर्ति, विशिष्ट अतिथि एम्स नई दिल्ली की डॉ. वत्सला डढवाल, कमांड हॉस्टील लखनऊ के डॉ. आरके थॉपर ने किया। एम्स ऋषिकेश से आई डॉ. लतिका चावला ने गर्भावस्था के दौरान स्वास्थ्य में होने वाले उतार-चढ़ाव के बारे में बताया। साथ ही उपचार और दवाइयों के प्रयोग की भी जानकारी दी। सीएमई के अध्यक्ष डॉ. जेके गोयल ने इसके उद्देश्य बताए। डॉ. वत्सला डढवाल ने गर्भावस्था के दौरान बरती जाने वाली सावधानियों के बारे में बताया। कमांड हॉस्पिटल लखनऊ के डॉ. आरके थापर ने कहा कि प्रसव के दौरान डॉक्टर से धैर्य काम करें। जरा सी भी हड़बड़ी जोखिम बढ़ देती है। पीजीआई लखनऊ की डॉ. दीप्ति, आरआर हॉस्पिटल की डॉ. रीमा, कमांड हॉस्पिटल के डॉ. वी. वर्मा ने कहा कि सही उपचार से ही मातृशिशु मृत्यु दर कम की जा सकती है। सीएमई में दो सौ से अधिक डॉक्टर मौजूद रहे।

सीएमई में बोलते एसआरएमएस ट्रस्ट के चेयरमैन देवमूर्ति। अमर उजाला